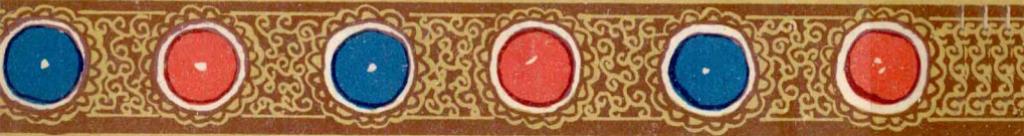


הַמִּלְאָמָרְתָן



טַקְמַבְמַגְיָה. קָאֶבְאַיְהַטְקָעַם.

କୁରୁତେଜୀବିନ୍ଦୁଶାହୀପାତ୍ରମାତ୍ର
କୁରୁତେଜୀବିନ୍ଦୁଶାହୀପାତ୍ରମାତ୍ର
କୁରୁତେଜୀବିନ୍ଦୁଶାହୀପାତ୍ରମାତ୍ର
କୁରୁତେଜୀବିନ୍ଦୁଶାହୀପାତ୍ରମାତ୍ର

କୁରୁତେଜୀବିନ୍ଦୁଶାହୀପାତ୍ରମାତ୍ର

ଆନୁଦିତ ଶର୍ମା କିମ୍ବା ରାଜି ମାତ୍ରା ।
ଦୟା କିମ୍ବା ରାଜି ରାଜି ପାଇଁ ।

କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି

ଏଣି କିମ୍ବା ରାଜି

କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି



କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି

କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି

କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି

850 × 1168 1 / 32 ଦିମ୍ବାରା 1 — 3 , 000 ମରାମରା ମରାମରା

1987 ଅନ୍ତିମ 6 କିମ୍ବା ରାଜି କିମ୍ବା ରାଜି 1 ମରାମରା

ISBN 7—223—00030—9 / S·1

ଆନୁଦିତ ଶର୍ମା M 16170 • 27 କିମ୍ବା ରାଜି 1.45

封面设计：强 桑
责任编辑：洛桑丹增

相 马 与 医 马 明 鉴

夏里霍查 著
仁钦桑布 译

*

西藏人民出版社出版

西藏新华书店发行

西藏新华印刷厂印刷

开本：850×1168 1/32 印张：9

1987年6月西藏 第1版 第1次印刷

印数：1—3,000

ISBN7—223—00030—9/S · 1

书号：M16170·27 定价：1.45 元

וְאֵת שָׁמֶן מִבְּנֵי יִשְׂרָאֵל

ନ୍ଦିଷ୍ଟାକଣ୍ଠାରୁପ୍ରତିବନ୍ଧିତ ଶବ୍ଦରେ ଅନୁମତି ପାଇଲା ।

ଶ୍ରୀମତୀ ପ୍ରମାଦା କଣ୍ଠାନାଥ ପାତ୍ର ଏହାର ପରିଚୟ ଓ ଜୀବନ ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ବିବରଣ୍ୟ ଆଖିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି ।

ଦ୍ୱାରା ପ୍ରକାଶିତ ଏକ ମହିନେର ପରିଚୟ ପାଇଲା ।

ଦ୍ୟମ୍ଭନାତ୍ମକାରୀଙ୍କ ପ୍ରକାଶକାରୀଙ୍କ ପରିଚୟ ପାଇଲା ।

॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

